Justification

कार्य का नामः– जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत दमन से दसऊ मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

(लम्बाई 12.675 कि.मी.)

शासनादेश संख्या 285/पी03–14/यू0आर0आर0डी0ए0/13 दिनांक 15.05.2013 के तहत जनपद देहरादून के अन्तर्गत दमन से देसऊ मोटर मार्ग निर्माण कार्य हेतु 12.675 मी0 लम्बाई हेतु रु. 869.48 लाख की स्वीकृति हेतु डी0पी0आर0 गठित कर भारत सरकार को प्रेषित की गई है। यह मार्ग दमन नामक स्थान से प्रारम्भ होकर दसऊ तक प्रस्तावित है। इस मार्ग के बनने से उत्तराखण्ड के दर्जनों गांवों को यातायात का लाभ मिलेगा तथा इसी मार्ग से ग्रामीणों की नगदी फसलों को मण्डी तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। प्रस्तावित भूमि की स्थिति निम्न प्रकार हैः–

1–	आरक्षित वन भूमि	–	शून्य है0
2–	वन पंचायत भूमि	–	2.2330 है0
3–	सिविल सोयम भूमि	–	3.6365 है0
	योग	–	**5.8695 है0**

भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव 12.675 कि.मी. जिसमें सिविल सोयम एवं वन पंचायत भूमि 7.00 मीटर चौड़ाई में में ली गई है। इस मार्ग में सिविल सोयम भूमि 3.6365 है0 तथा वन पंचायत भूमि 2.2330 है0 का ग्राम्य विकास विभाग उत्तराखण्ड सरकार हेतु भूमि हस्तान्तरण किये जाने के लिए प्रस्ताव गठित किया गया है। उक्त प्रस्तावित भूमि न्यूनतम है। इसके अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक संरेखण की सम्भावना नहीं है। औपचारिक कार्यवाही हेतु संयुक्त निरीक्षण किया गया, आख्या संलग्न है।

उक्त मोटर मार्ग के निर्माण से 468 जनसंख्या लाभान्वित होगी तथा उक्त ग्राम मोटर मार्ग से जुड़ जायेगा। पर्वतीय ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्र से यातायात से जुड़ कर लाभान्वित हो जायेंगे और नगदी फसलों को बाजार तक विपणन करने की सुगम सुविधा उपलब्ध होगी।

सर्वेक्षण के आधार पर उक्त मार्ग का संरेखण इस प्रकार से निर्धारित किया गया है कि ग्राम अतलेऊ प्रस्तावित मोटर मार्ग से जुड़ जायेगी एवं मानक के अनुरूप न्यूनतम वन भूमि उपयोग में लाई जायेगी, जिससे कम वृक्षों का पातन होगा।

इस मोटर मार्ग निर्माण होने से स्थाई/अस्थाई रोजगार उत्पन्न होगा। ग्रामीण अपने जरूरत का सामना आदि लेने नजदीकी बाजार में आ सकेंगे। इस मोटर मार्ग से 468 जनसंख्या संयोजित हो रही है। ग्रामीण खेतों में पैदा होने वाली कृषि की फसल को किसी भी नजदीकी बाजार में ले जाकर बेच सकेंगे एवं इससे देश productivity में भी बढ़ोत्तरी होगी जिससे की आय बढ़ेगी। इस मार्ग के निर्माण से उत्तराखण्ड के इस भाग में भी टूरिज्म के अवसर पैदा होंगे, जिससे सरकार की आमदनी होगी। इस गाँव में यातायात की सुविधा न होने के कारण एवं सड़क न होने के कारण बच्चे खेती बाड़ी के कामों में प्रयोग किये जाते हैं, लेकिन मोटर मार्ग बनने से बच्चे स्कूल में पढ़ सकेंगे तथा देश के निर्माण में भागीदारी निश्चित कर सकेंगे जिससे शिक्षा के स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। इस मोटर मार्ग के बनने से ग्रामीणों को medical facility आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। इसके अलावा घर पर काम करने वाली ग्रहणी भी अपने घर के लिए सामान आदि आसानी से उपलब्ध कराने में सक्षम होगी।

इस मोटर मार्ग के निर्माण से वन विभाग अकसर आग लगने पर कम समय में आग पर काबू पा सकेंगें एवं यह मार्ग एक फायर लाईन का काम भी करेगी। मोटर मार्ग के निर्माण से फॉरेस्ट अपनी वन सम्पदा की देख–रेख भी आसानी से कर सकेगा। यह एक मात्र समरेखण कम लम्बाई का है जिससे ग्राम अतलेऊ 468 जनसंख्या को जोड़ा जा सकेगा एवं इस मोटर माग से पिछड़े गाँव के लोगों को देश की main stream लाया जा सकेगा। अतः इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु अत्यन्त आवश्यकता है जिसके लिए वनभूमि हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी।

26/7/16

अधिशासी अभियन्ता
पी0एम0जी0एस0वाई0,
नि0ख0, लो0नि0वि0, हरिद्वार
(मुख्यालय कालसी), देहरादून